

(रि. f.). 2 श्रीयमाण, सुदित, हृष्ट. -s. आनन्दः, हर्षः, प्रमोदः, उत्सवः.

**Rejoin, v.** See Answer. -**Rejoinder, s.** प्रतिवचनं, उत्तरं, प्रत्युक्ति f.

**Rejuvenate, v. t.** बलं-सत्त्वं-वृद्धं c., आनन्द्यै c.

**Relapse, v. i.** पुनः पत 1 P or आगम् 1 P or प्राप् 5 P; oft ex. by पुनः with other words; 'r. ed into a feverish state' ज्वरणं पुनरभ्यभूयत, पुनः ज्वरातुरो बभूव; 'r. ed into vice' पुनर्दुर्मार्गं गतुं प्रचक्रमे, सत्यथात् भ्रष्टः, सन्मार्गं अत्यजत्; 'r. ed into his natural joviality सहजामानन्दवृत्तिं प्रत्यपद्यत. -s. पुनःपतनं, आवृत्ति f., प्रत्यागमनं, पूर्ववस्थाप्राप्ति f.

**Relate, v. i. (To)** उद्दिष्ट 6 P, अपेक्ष 1 A, अनुषङ्ग-संबन्ध pass.; by deriv. in द्वय, or विषय in comp.; 'r. ing to Sastras' शास्त्रीय, शास्त्रविषय; 'r. ing to the king's murder' राजघात विषयक-संबन्धः-वृत्तान्तः; See Refer. -v. t. कथ 10, आख्या 2 P, वर्ण 10, शंस 1 P, चक्ष 2 A, आनिविद् c.; See Tell. -ed, r. कथित, ख्यात, वर्णित, &c. 2 सं-अनु-बद्ध, अनुषङ्ग, अन्वित, संसक्त, संपृक्त, संबन्धिन, संपर्कित, in comp. 3 संबन्धिन, सजाति, सजातीय, एक-स-गोत्र, सकुल्य, गोत्रज, एकशरीरान्वय. -er, s. आख्यायकः, कथयितृ m. -ing, a. (To) संबन्धिन, विषय in comp.; See Refer. -ion, s. संबन्धः, अन्वयः, संदर्भः, संसर्गः, संपर्कः, अनुषङ्गः, भावः; 'mutual r.' व्यतिर्षगः, अन्योन्यसंबन्धः, आकांक्ष (between a word and its meaning); 'intimate r.' समवाय-नित्य-संबन्धः; 'the r. of the container and the thing contained' आधाराधेयभावः. 2 बंधुता, ज्ञातिभावः, शरीरसंबन्धः, शरीरान्वयः, सजातिता, सगोत्रता, सपिंडता. 3 बंधुः, बांधवः, ज्ञातिः, गोत्रजः, सगोत्रजः, सकुल्यः, संबन्धी, सपिंडः (to the 7th degree), समानोदकः (8th to 14th degree); सनाभिः, सोदर्यः, समानोदरः (by blood); 'r. s collectively' बांधवगणः-जनः बंधु-ज्ञाति-वर्गः. 4 आ-उपा-ख्यातं, वर्णनं, कथनं, निरूपणं, कीर्तनं. -ionship, s. बंधुता, सनाभिता, ज्ञातिभावः, संबन्धः; 'near r.' प्रत्यासन्नता; 'distant r.' व्यवहितता. -ive, s. सगोत्रः, सकुल्यः, बांधवः, बंधुः, ज्ञातिः; See Relation. -a. सापेक्ष, अविधिक, अन्यसापेक्ष, अकेवल; 'r. importance' तारतम्यं. 2 अन्योन्यान्वित. 3 संबन्धिन, विषयक, in comp.; अनुविद्ध, अनुषङ्ग, संबन्ध, सान्वय, उद्दिष्ट. 4 संबन्धवाचिन. -ively, adv. अन्यसापेक्षया, अन्यसापेक्षं, अपेक्ष्य; See Comparative.

**Relax, v. t.** शिथिलीकृ 8 U, शिथिलयति (D.), अथ-अथ 1, 9 P., 10, वि-संत् c., विगल् c. 2 मुच 6 P, or c., विमुच 6 P. 3 शिथिलीकृ, प्र-शम् c. (शमयति), न्यूनीकृ, लघुकृ, मंदीकृ, (मंदीचकार मरणव्यवसाय-बुद्धि K. iv. 45); 'r. ing their efforts' शिथिलितप्रयत्नाः. 4 उद्-अथ 9 P, विसं-धा 3 U; 'r. the bowels' विरिच 7 P or c.; See Purge; 'r. the mind' मनः विमुच c., or विश्रम् c. -v. i. शिथिलीभू 1 P, श्रु 1 P, अथ 1 A, संत् 1 A, शिथिलायते-मंदायते (D.). 2 प्र-उप-शम् 4 P, न्यूनी-भू. -ation, s. शैथिल्यं, विषंसः, प्रश्रयः, शक्ति f. 2 प्र-उप-शमः-ज्ञाति f., न्यूनीभावः. 3 विनोदः, विश्रामः, उद्योगविरति f. -निवृत्ति f. -शैथिल्यं. -ed, a. शिथिलित, शिथिल, प्र-श्रुय, मुक्त, संस्त, विगलित; 'having r. his hold' मुक्त or शिथिलित-ग्रहः or हस्तः.

**Relay, s.** विश्रामदायी जवाश्वगणः or सेवकगणः.

**Release, v. t.** मोक्ष 10, मुच 6 P or c., वि-निर्-°, उद्धृ 1 P, निस्तृ c., विसृ 6 P; See Free, -s. वि-मुक्ति f., मोक्षः, मोचनं, उद्धारः, निस्तारः. -er, s. मोचकः, मोक्षकः, उद्धृते m.

**Relegate, v. t.** वि-वस्त् c. 2 कृ c. (अर्पयति).

**Relent, v. i.** करुणाशुद्ध-करुणाद्-शुद्धचित्त-<sup>a</sup> भू 1 P; अनुकंप 1 A, दयात्रीभू, करुणया दु 1 P; 'his heart r. ed' तस्य मनो मार्दवमभजत, कठिनतामजहात्; 'being appeased, he r. ed' सचातुनीतो मृदुतामगच्छत् (R. v. 54); किमपि सानुकोशः कृतः (S. 4) 'somewhat r. ed'. -less, a. निर्दय, निष्करुण, निरनुकोश, क्रूर, कठोर, कठिन-पाषाण-हृदय, निघृण; See Cruel. -lessly, adv. निर्दयं, निष्करुणं, कठोरं.

**Relevant, a.** प्रास्ताविक (की f.), प्रस्तुत, प्रस्तुतानुषंगिन, प्रासंगिक (की f.), प्रस्ताव-सदृश (शी f.)-उचित-अनुरूप, प्रसंगोचित. -ly, adv. प्रस्तावसदृशं, प्रासंगिकं. -Relevance, -cy, s. प्रस्तावोचित्यं, प्रस्ताव-संगति f., प्रस्तुतानुसारः-अन्वयः, पकरणा-नुसारः, प्रास्ताविकत्वं.

**Relic, s.** अव-शिष्ट-शेषः-र्ष, शेषभागः; शवः-वं, घृतशरीरं.

**Relict, s.** See Widow.

**Relieve, v. t.** (persons) (दुःखात् &c.) मुच 6 P or c., मोक्ष 10, उद्धृ 1 P; दुःखं &c. अपनी 1 P or शम् c. (शमयति) or परिहृ 2 (Pain &c.) प्र-शम् c., परिहृ, दूरीकृ; लघयति (D.), विश्रम् c., लघुकृ; See Alleviate, 'I feel myself to be r. ed' ममात्मा विशद्ः जातः (S. 4), निश्चिंतेह.